मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BHDC-132

बी. ए. (सामान्य)
(बी. ए. जी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022
बी.एच.डी.सी.-132 : मध्यकालीन हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 20

(क) ऐसो कछु अनुभौ कहत न आवै,

साहब मिलै तौको बिलगावै।

सब में हरि है हरि में सब है, हरि अपनो जिन जाना।

सखी नहीं अउर कोई दूसर, जाननहार सयाना।

बाजीगर संग में राचि रहा, बाजी का मरम न जाना।

बाजी झूठ साँच बाजीगर, जाना मन पतियाना।

मन थिर होइ तो कोइ न सूझै, जानै जाननहारा।

कह रविदास विमल विवेक सुख, सहज सरूप सभारा।

(ख) हेरी म्हा दरद दिवाणी महारां दरद न जाणयाँ कोय।

घायल की गति घाइल जाणै, कितिणा घाण होय।

जौहरी की गति जौहरी जाणै, क्या जाण्या जिण खोय।

दरद की मारयां दर-दर ढोल्यां बैद मिलणाना कोय।

मीरा री प्रभु पीर मिटांगा जब बैद सांवरिया होय

(ग) झलकै अति सुंदर आनन गौर,

छके दृग राजत काननि छ्वै।

हँसि बोलन में छवि-फूलन की बरषा,

उर-ऊपर जाति है ै।

लट लोल कपोल कलौल करै,

कलकंठ बनी जलजावलि छ्वै।

अंग-अंग तरंग उठे दुति की,

परिहै मनौ रूप अबै धर च्वै

2. भक्तिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 20

3. रीतिकाव्य का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए। 20

4. संत कवि रविदास के जीवन तथा रचनाओं का परिचय दीजिए। 20

5. मीराबाई की कविता के अभिव्यंजना शिल्प का विवेचन कीजिए। 20

6. तुलसीदास का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं पर प्रकाश डालिए। 20

7. जायसी के काव्य-सौन्दर्य का विवेचन कीजिए। 20

8. रीतिकालीन कवि भूषण की काव्य-भाषा और शिल्प पर विचार कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×10=20

(क) कृष्णभक्ति शाखा

(ख) सूरदास की रचनाएँ

(ग) मीरा और आंडाल की भक्ति की तुलना

(घ) रीतिकालीन शृंगार काव्य